Triangle Sankirtan Group

श्री गणेशजी की आरती 3
श्री हनुमान चालीसा 4
हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार 7
मेरा छोटासा संसार, हरि आ जाओ एक बार 8
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके 9
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी 10
आना सुंदर श्याम, हमारे घर कीर्तन में 11
भज मन राधे कृष्ण 12
कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो 13
प्रेम मुदित मन से कहो राम राम राम 14
ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय 15
प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी 16
अब सौंप दिया इस जीवन का 17
मझधार में नय्या फंसती है 18
पितु मातु सहायक स्वामी सखा 19
मेरा सत चित आनंद रूप कोई कोई जाने रे 20
राम से बड़ा राम का नाम 21
तेरे पूजन को भगवान् बना मन मंदिर आलीशान 22
रघुपति राघव राजा राम 23
शरण में आए हैं हम तुम्हारी 24
यह विनती है पल पल छिन छिन 25
मन की आँखें खोल बंदे तुझे राम मिलेंगे 26
राधे तेरे चरणों की, श्यामा तेरे चरणों की 27
छोटी छोटी गैयाँ, छोटे छोटे ग्वाल 28
तारा है सारा ज़माना 29
थोड़ा ध्यान लगा (२), साईँ दौड़े दौड़े आयेंगे 30
सतगुरु मैं तेरी पतंग, बाबा मैं तेरी पतंग 31

राधा ढूंढ़ रही, किसीने मेरा श्याम देखा..... 32
दुनियाँ चले ना श्री राम के बिना 33
तालियाँ बजाओ सारे तालियाँ बजाओ 34
आजा प्रभू, आजा प्रभू..... 35
तेरी मेहरबानी का है बोझ इतना 36
नक्शा तेरा दिलकश है 37
मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता..... 38
सीता राम सीता राम सीता राम कहिए..... 39
बनवारी रे, जीने का सहारा तेरा नाम रे..... 40
पायोजी मैंने राम रतन धन पायो 41
प्रभु प्यारे से जिसका सम्बन्ध है 42
राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली गली 43
ज्योत से ज्योत जगाते चलो..... 44
तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार उदासी मन काहे को करे 45
हर देश में तू हर वेश में तू..... 46
प्रभुजी तुम बड़े दयालु हो 47
सुमिरन करलो जी, हीरा जन्म अनमोल..... 48
पियो पियो रे पी ने वालों 49
प्रबल प्रेम के वश में होकर प्रभु को नियम बदलते देखा..... 50
दाता एक राम दाता एक राम 51
नमस्कार भगवान् तुम्हें..... 52
ऐ मालिक तेरे बंदे हम..... 53
गोविन्द या विधि भोग लगाओ..... 54
आरती जगदीशजी की 55
फुल्लां दी आइए बहार..... 57

श्री गणेशजी की आरती

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पारवती, पिता महादेव॥
एक दंत दयावंत, चार भुजा धारी।
माथे सिन्दूर सोहै, मूसे की सवारी॥
अंधन को आँख देत, कोढ़िन को काया।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया॥
पान चढ़े, फूल चढ़े, और चढ़े मेवा।
लड्डुन को भोग लगे, संत करे सेवा॥
जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पारवती, पिता महादेवा॥

श्री हनुमान चालीसा

"दोहा"

श्री गुरु चरण सरोजरज,निज मन मुकुर सुधार, बरनउं रघुबर बिमल जसु, जो दायकु फल चारि
बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार, बल-बुद्धि बिद्या देहु मोहिं, हरहु कलेस विकार

जय हनुमान ज्ञान- गुन सागर, जय कपीस तिहुं लोक उजागर,
रामदूत अतुलित बलधामा, अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा
महाबीर विक्रम बजरंगी, कुमति निवार सुमति के संगी,
कंचन बरन बिराज सुबेसा,कानन कुंडल कुंचित केसा
हाथ बज्र और ध्वजा बिराजै, काँधे मूंज जनेऊ साजै,
शंकर सुवन केसरीनंदन, तेज प्रताप महा जग बंदन
बिद्यावान गुनी अति चातुर, राम-काज करिबे को आतुर,
प्रभु-चरित्र सुनिबे को रसिया,राम लक्ष्मण सीता मन बसिया
सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा, विकट रूप धरि लंक जरावा,
भीम रूप धरि असुर संहारे, रामचंद्र के काज सँवारे
लाय सजीवन लखन जियाये, श्री रघुबीर हरषि उर लाये,

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई, तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं, अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं,
सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा, नारद सारद सहित अहीसा
जम कुबेर दिगपाल जहां ते, कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते,
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा,राम मिलाय राज-पद दीन्हा
तुम्हारो मंत्र बिभीषण माना, लंकेस्वर भए सब जग जाना,
जुग सहस्त्र जोजन पर भानू,लील्यो ताहि मधुर फल जानू
प्रभु-मुद्रिका मेलि मुख माहीं, जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं,
दुर्गम काज जगत के जेते,सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते
राम दुआरे तुम रखवारे, होत न आज्ञा बिनु पैसारे,
सब सुख लहै तुम्हारी सरना,तुम रच्छक काहू को डर ना
आपन तेज सम्हारौ आपै, तीनों लोक हाँक तें कांपै,
भूत पिसाच निकट नहिं आवै, महाबीर जब नाम सुनावै
नासै रोग हरै सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा,
संकट तें हनुमान छुडावै, मन क्रम वचन ध्यान जो लावै
सब पर राम तपस्वी राजा,तिन के काज सकल तुम साजा,
और मनोरथ जो कोई लावै, सोई अमित जीवन फल पावै
चारों जुग परताप तुम्हारा,है परसिद्ध जगत उजियारा,
साधु संत के तुम रखवारे, असुर निकंदन राम दुलारे
अष्ट सिध्दि नौ निधि के दाता, अस वर दीन जानकी माता,

राम रसायन तुम्हरे पासा, सदा रहो रघुपति के दासा
तुम्हरे भजन राम को पावै, जनम जनम के दुःख बिसरावै,
अंत काल रघुबर पुर जाई,जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई
और देवता चित्त न धरई, हनुमत सेई सर्व सुख करई,
संकट कटै मिटै सब पीरा,जो सुमिरै हनुमत बलबीरा
जै जै जै हनुमान गोसाईं, क्रपा करहु गुरुदेव की नाईं,
जो सत बार पाठ कर कोई, छूटहि बंदि महा सुख होई
जो यह पढै हनुमान चलीसा,होई सिध्द साखी गौरीसा,
तुलसीदास सदा हरि चेरा, कीजै नाथ ह्रदय महँ डेरा

"दोहा "

पवनतनय संकट हरन, मंगल मूरति रूप,
राम लखन सीता सहित, ह्रदय बसहु सुर भूप

हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार (२)।
भर दे झोली सब की तेरे पूरण भण्डार (२)।
हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार ।
होवे जब संध्याकाल निर्मल होके तत्काल (२)।
अपना मस्तक झुका के, करके तेरा खयाल (२)।
तेरे दर पर आके बैठे सारा परिवार (२)।
हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार ।
लेके दिल में फरियाद करते हम तुम को याद (२)।
जब हों मुश्किल की घड़ियाँ तुम से मांगे इमदाद (२)।
सब से बढ़के ऊंचा जग में तेरा आधार (२)।
हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार ।
चाहे दिन हो विपरीत, होवे तुम से ही प्रीत (२)।
सच्ची श्रधा से गावें, तेरी भक्ति के गीत (२)।
होवे सब का प्रभुजी, तेरे चरणों में प्यार (२)।
हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार ।
तू है सब जग का वाली, करता सब की रखवाली (२)।
हम हैं रंग रंग के पौधे, तुम हो हम सब के माली (२)।
पथिक बगीचा है यह तेरा सुंदर संसार (२)।
हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार ।
भर दे झोली सब की तेरे पूरण भण्डार ।
हम सब मिलके आए दाता तेरे दरबार ।

मेरा छोटासा संसार, हरि आ जाओ एक बार।
मेरा छोटासा संसार, हरि आ जाओ एक बार।
हरि आ जाओ, हरि आ जाओ।
मेरी नय्या पार लगा जाओ,मेरी नय्या पार लगा जाओ।
मेरा छोटासा संसार हरि आ जाओ एक बार।
लाखों को दरस दिखाया है, लाखों को दरस दिखाया है।
प्रभु मुझको क्यों तरसाया है, प्रभु मुझको क्यों तरसाया है।
यह कैसी तुम्हारी माया है, यह कैसी तुम्हारी माया है।
नित बहती है असूअन धार, हरि आ जाओ एक बार।
नित बहती है असूअन धार, हरि आ जाओ एक बार।
मेरा छोटासा संसार हरि आ जाओ एक बार।
जब याद तुम्हारी आती है, जब याद तुम्हारी आती है।
तन मन की सुध बिसराती है, तन मन की सुध बिसराती है।
रह रह के मुझे तड़पाती है, रह रह के मुझे तड़पाती है।
तन मन धन सब दर कार, हरि आ जाओ एक बार।
तन मन धन सब दर कार हरि आ जाओ एक बार।
मेरा छोटासा संसार हरि आ जाओ एक बार।
मुझको बिछुड़े युग बीत गए, मुझको बिछुड़े युग बीत गए।
क्यों रूठ प्रभु मेरे मीत गए, क्यों रूठ प्रभु मेरे मीत गए।
मैं हार गया तुम जीत गए, मैं हार गया तुम जीत गए।
अब दर्शन दो साकार, हरि आ जाओ एक बार।
अब दर्शन दो साकार हरि आ जाओ एक बार।
मेरा छोटासा संसार हरि आ जाओ एक बार।

कभी राम बनके, कभी श्याम बनके, चले आना प्रभुजी चले आना (२)।
तुम गणपति रूप में आना, तुम गणपति रूप में आना ।
रिद्धि साथ लेके, सिद्धि साथ लेके, चले आना प्रभुजी चले आना (२)।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके, चले आना प्रभुजी चले आना ।
तुम कृष्ण रूप में आना, तुम कृष्ण रूप में आना ।
राधा साथ लेके, मुरली हाथ लेके, चले आना प्रभुजी चले आना (२)।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके, चले आना प्रभुजी चले आना ।
तुम राम रूप में आना, तुम राम रूप में आना ।
सीता साथ लेके,धनुष हाथ लेके, चले आना प्रभुजी चले आना (२)।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके चले आना प्रभुजी चले आना ।
तुम शिव के रूप में आना, तुम शिव के रूप में आना ।
गौरा साथ लेके, डमरू हाथ लेके, चले आना प्रभुजी चले आना (२)।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके चले आना, प्रभुजी चले आना ।
तुम विष्णु रूप में आना, तुम विष्णु रूप में आना ।
लक्ष्मी साथ लेके, चक्र हाथ लेके, चले आना प्रभुजी चले आना (२)।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके, चले आना प्रभुजी चले आना ।
तुम बजरंगी रूप में आना, तुम बजरंगी रूप में आना ।
गदा साथ लेके, पर्वत हाथ लेके, चले आना प्रभुजी चले आना (२)।
कभी राम बनके, कभी श्याम बनके, चले आना प्रभुजी चले आना ।

राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
आयेंगे बिहारी चले आयेंगे बिहारी,राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी सागर तरंग हैं बिहारी, राधा रानी सागर तरंग हैं बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी तन हैं तो प्राण हैं बिहारी, राधा रानी तन हैं तो प्राण हैं बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी मोहनी तो मोहन बिहारी,राधा रानी मोहनी तो मोहन बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी,राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी गंगा तो धार हैं बिहारी, राधा रानी गंगा तो धार हैं बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी चंदा चकोर हैं बिहारी, राधा रानी चंदा चकोर हैं बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी गोरी तो सांवरे बिहारी, राधा रानी गोरी तो सांवरे बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी नथनी तो कंगन बिहारी, राधा रानी नथनी तो कंगन बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी भोली भाली चंचल बिहारी, राधा रानी भोली भाली चंचल बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी मुरली तो तान हैं बिहारी, राधा रानी मुरली तो तान हैं बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी,राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।
राधा रानी मिश्री तो स्वाद हैं बिहारी, राधा रानी मिश्री तो स्वाद हैं बिहारी।
राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी, राधे राधे जपो चले आयेंगे बिहारी।

आना सुंदर श्याम, हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना, संग मुरली भी लाना (२), मीठी तान सुनाना हमारे घर कीर्तन में (२)।

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना, संग राधाजी को लाना (२), आकर रास रचाना हमारे घर कीर्तन में (२)।

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना, संग ग्वालों को भी लाना (२), माखन मिश्री खाना हमारे घर कीर्तन में (२)।

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना,संग नारदजी को लाना(२),बीना का नाद सुनाना हमारे घर कीर्तन में(२)

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना, संग शंकरजी को लाना (२), आकर डमरू सुनाना हमारे घर कीर्तन में (२)।

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना, संग अर्जुन को भी लाना (२), गीता का ज्ञान सुनाना हमारे घर कीर्तन में ।

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना, संग मीरा को भी लाना (२), भक्ति का पाठ सिखाना हमारे घर कीर्तन में (२)।

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में ।

आप भी आना, संग गोपियों को लाना (२), आकर रास रचाना हमारे घर कीर्तन में (२)।

आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में, आना सुंदर श्याम हमारे घर कीर्तन में (२)।

भज मन राधे कृष्ण, राधे कृष्ण, राधे गोविन्द (२)।

यशोदाजी के गोविन्द, नन्द जी के गोविन्द (२)।

भज मन राधे कृष्ण, राधे कृष्ण, राधे गोविन्द (२)।

देवकी जी के गोविन्द, वसुदेव के गोविन्द (२)।

भज मन राधे कृष्ण, राधे कृष्ण, राधे गोविन्द (२)।

भजो गीता के गोविन्द, महाभारत के गोविन्द **(२)।**

भज मन राधे कृष्ण, राधे कृष्ण, राधे गोविन्द **(२) ।**

भजो कर्म के गोविन्द, भजो धर्म के गोविन्द (२)।

भज मन राधे कृष्ण, राधे कृष्ण,राधे गोविन्द **(२)।**

भजो मीरा के गोविन्द, भजो सूर के गोविन्द (२)।

भज मन राधे कृष्ण, राधे कृष्ण, राधे गोविन्द **(२) ।**

भजो संतों के गोविन्द, भजो भक्तों के गोविन्द (२)।

भज मन राधे कृष्ण, राधे कृष्ण, राधे गोविन्द (४)।

कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो, कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो ।
नाम जपते रहो काम करते रहो, नाम जपते रहो काम करते रहो ।
पाप की वासनाओं से बचते रहो, पाप की वासनाओं से बचते रहो ।
मन को विषयों के विष से हटाते चलो, मन को विशियों के विष से हटाते चलो ।
कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो, कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो ।
देखना इन्द्रियों के न घोड़े भगें, देकना इन्द्रियों के न घोड़े भगें ।
रात दिन मन को सय्यम के कोड़े पड़े,रात दिन मन को सय्यम के कोड़े पड़े ।
अपने रथ को सुमारग चलाते चलो, अपने रथ को सुमारग चलाते चलो ।
कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो, कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो ।
प्राण जावें मगर नाम भूलो नहीं, प्राण जावें मगर नाम भूलो नहीं ।
दुःख में तड़पो नहीं, सुख में फूलो नहीं, दुःख में तड़पो नहीं, सुख में फूलो नहीं ।
नाम धन का खज़ाना बढ़ाते चलो, नाम धन का खज़ाना बढ़ाते चलो ।
कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो, कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो ।
नाम जपते रहो काम करते रहो, नाम जपते रहो काम करते रहो ।
पाप की वासनाओं से डरते रहो, पाप की वासनाओं से डरते रहो ।
प्रेम भक्ति के आंसू बहाते चलो, प्रेम भक्ति के आंसू बहाते चलो ।
कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो, कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो ।
ख्याल आएगा उसको कभी न कभी, ख्याल आएगा उसको कभी ना कभी ।
भक्त पाएगा उसको कभी ना कभी, भक्त पाएगा उसको कभी ना कभी ।
ऐसा विश्वास मन में जमाते चलो, ऐसा विश्वास मन में जमाते चलो ।
कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो, कृष्ण गोविन्द गोपाल गाते चलो ।

प्रेम मुदित मन से कहो राम राम राम, श्री राम राम राम, कहो राम राम राम (२)।

पाप कटे दुःख मिटे लेके राम नाम (२), भव समुद्र सुखद नांव, एक राम नाम (२)।

कहो राम राम राम, श्री राम राम राम, कहो राम राम राम ।

परम शान्ति सुख निधान एक राम नाम(२),निराधार को आधार एक राम नाम (२)।

कहो राम राम राम, श्री राम राम राम ।

प्रेम मुदित मन से कहो राम राम राम, श्री राम राम राम, श्री राम राम राम ।

परम गुप्त परम ईष्ट मंत्र राम नाम (२), संत ह्रदय सदा बसत एक राम नाम (२)।

कहो राम राम राम, श्री राम राम राम ।

प्रेम मुदित मन से कहो राम राम राम, श्री राम राम राम, श्री राम राम राम ।

महादेव सतत जपत दिव्य राम नाम(२),काशी मरत, मुक्त करत कहत राम नाम(२)

कहो राम राम राम, श्री राम राम राम ।

प्रेम मुदित मन से कहो राम राम राम, श्री राम राम राम, श्री राम राम राम ।

माता पिता बंधु सखा, सबही राम नाम (२), भक्त जनन जीवन धन एक राम नाम (२)।

कहो राम राम राम, श्री राम राम राम ।

प्रेम मुदित मन से कहो, राम राम राम, श्री राम राम राम, कहो राम राम राम (२)।

ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

रामेश्वराय शिव रामेश्वराय, हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

गंगाधराय शिव गंगाधराय, हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

जटाधराय शिव जटाधराय, हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

सोमेश्वराय शिव सोमेश्वराय, हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

विश्वेश्वराय शिव विश्वेश्वराय, हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

त्रिलोचनाय शिव त्रिलोचनाय, हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

ॐ नमः शिवाय (२), हर हर बोलो नमः शिवाय (२)।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।

भक्तों की लगी है कतार भवानी, भक्तों की लगी है कतार भवानी।

ऊंचे पर्वत भवन निराला(२), शीश नवावे संसार भवानी(२)।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।

जगमग जगमग ज्योत जले है(२),चरणों में गंगा की है धार भवानी(२)।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।

लाल चुनरिया लाल लाल चूड़ा(२),लाल गले में सोहे हार भवानी(२)।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।

पल में खाली झोली भर डाली(२),खुले दया के भण्डार भवानी(२)।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।

भक्तों को है तेरा सहारा(२),कर दे भक्तों का बेड़ा पार भवानी(२)।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी,भक्तों की लगी है कतार भवानी।

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में सब भार तुम्हारे हाथों में(२)।

है जीत तुम्हारे हाथों में है हार तुम्हारे हाथों में है हार तुम्हारे हाथों में।

मेरा निश्चय है एक यही एक बार तुम्हें पा जाऊं मैं (२)।

अर्पण कर दूं जगती भर का सब प्यार तुम्हारे हाथों में सब प्यार तुम्हारे हाथों में।

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में सब भार तुम्हारे हाथों में।

या तो मैं जग से दूर रहूँ, और जग में रहूँ तो ऐसे रहूँ(२)।

इस पार तुम्हारे हाथों में, उस पार तुम्हारे हाथों में उस पार तुम्हारे हाथों में।

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में सब भार तुम्हारे हाथों में।

यदी मानुष ही मुझे जन्म मिले तब हरि चरणों का पुजारी रहूँ(२)।

मुझ पूजक की एक एक रग का हो तार तुम्हारे हाथों में हो तार तुम्हारे हाथों में।

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में सब भार तुम्हारे हाथों में।

जब जब संसार का बन्दी बन दरबार तेरे में आऊं मैं।

हो मेरे पापों का निर्णय सरकार तुम्हारे हाथों में सरकार तुम्हारे हाथों में।

अब सौंप दिया इस जीवन का सब बार तुम्हारे हाथों में सब भार तुम्हारे हाथों में।

मुझमें तुझमें है भेद यही, मैं नर हूँ तू नारायण है(२)।

मैं हूँ संसार के हाथों में, संसार तुम्हारे हाथों में संसार तुम्हारे हाथों में।

अब सौंप दिया इस जीवन का सब भार तुम्हारे हाथों में सब भार तुम्हारे हाथों में।

मझधार में नय्या फंसती है, और दूर किनारा होता है (२)।

उस वक्त दुखी जीवों के लिए, प्रभु तेरा सहारा होता है (२)।

निर्धन तो राजा बनते हैं,राजा निर्धन हो जातें हैं (२)।

दुनियाँ ही बदल जाती है प्रभु, जब तेरा इशारा होता है (२)।

मझधार में नय्या फंसती है, और दूर किनारा होता है ।

जिसे तेरा भरोसा है दाता, सब काम उसी के बनते हैं (२)।

दुनियाँ भी उसी की होती है, जो तेरा दुलारा होता है(२)।

मझधार में नय्या फंसती है, और दूर किनारा होता है ।

सारा जग बैरी बन जाए, पर बाल ना बांका कर पाये (२) ।

जब तेरी दया की द्रष्टी हो, तो सुख से गुज़ारा होता है (२)।

मझधार में नय्या फंसती है, और दूर किनारा होता है ।

उस वक़्त दुखी जीवों के लिए प्रभु तेरा सहारा होता है ।

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम्हीं एक नाथ हमारे हो (२)।

जिनके कुछ और आधार नहीं, तिनके तुम्हीं रखवारे हो (२)।

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम्हीं एक नाथ हमारे हो ।

प्रतिपाल करो सगरे जग को (२), अतिशय करुणां उर धारे हो (२)।

भूली है हम ही तुम को तुम, हमरी सुधि नाहीं बिसारे हो (२)।

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम्हीं एक नाथ हमारे हो ।

शुभ शान्ति निकेतन प्रेम निधे (२), मन मंदिर के उजियारे हो (२)।

ऊपकारण को कछु अंत नहीं, छिन ही छिन जो बिस्तारे हो (२)।

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम्हीं एक नाथ हमारे हो ।

महाराज महा महिमां तुम्हरी (२), समझे विरले बुधिवारे हो (२)।

इस जीवन के तुम जीवन हो, इन प्रांनन के तुम प्यारे हो (२)।

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम्हीं एक नाथ हमारे हो ।

तुमसे प्रभु पाय प्रताप हरी (२), केही के अब और सहारे हो (२)।

पितु मातु सहायक स्वामी सखा, तुम्हीं एक नाथ हमारे हो।

मेरा सत चित आनंद रूप कोई कोई जाने रे (२)।
वेद वचन का मैं हूँ श्रेष्ठा (२), मन वाणी का मैं हूँ द्रष्टा (२)।
मैं हूँ साक्षी रूप कोई कोई जाने रे (२)।
मेरा सत चित आनंद रूप, कोई कोई जाने रे (२)।
जनम मरण मेरे धर्म नहीं है (२), पाप पुण्य कोई कर्म नहीं है (२)।
मेरा अजनिरलेपी रूप, कोई कोई जाने रे (२)।
मेरा सत चित आनंद रूप , कोई कोई जाने रे (२)।
चन्द्र सूर्य में तेज है मेरा(२),अग्नि में भी ओज है मेरा (२)।
मैं अद्वैत स्वरुप, कोई कोई जाने रे (२)।
मेरा सत चित आनंद रूप, कोई कोई जाने रे (२)।
तीन लोकका मैं हूँ स्वामी (२), घट घट वासी अन्तर्यामी (२)।
ज्यों माला में सूत, कोई कोई जाने रे (२)।
मेरा सत चित आनंद रूप,कोई कोई जाने रे (२)।

जिस हाल में जिस देश में जिस वेश में रहो (२)।

राधा रमण राधा रमण राधा रमण कहो (२)।

जिस काम में जिस गाम में जिस धाम में रहो (२)।

राधा रमण राधा रमण राधा रमण कहो (२)।

जिस संग में जिस रंग में जिस ढंग में रहो (२)।

राधा रमण राधा रमण राधा रमण कहो (२)।

जिस भोग में जिस रोग में जिस योग में रहो (२)।

राधा रमण राधा रमण राधा रमण कहो (२)।

राम से बड़ा राम का नाम (२), अंत में निकला ये परिणाम (२)।
राम से बड़ा राम का नाम (२), अंत में निकला ये परिणाम (२)।
राम से बड़ा राम का नाम।
जिस सागर को लांघ सके ना बिना सेतु के राम (२)।
लांघ गए हनुमान उसी को (२), लेके राम का नाम।
राम से बड़ा राम का नाम (२), अंत में निकला यह परिणाम (२)।
राम से बड़ा राम का नाम।
राम नाम सुमिरन तू कर ले, कौड़ी लगे न दाम (२)।
प्रेम के बंधे खिचे आयेंगे (२), इक दिन तेरे राम।
राम से बड़ा राम का नाम (२), अंत में निकला यह परिणाम (२)।
राम से बड़ा राम का नाम।
द्रुपतसुता दुष्टों ने घेरी तज आए प्रभु धाम (२)।
थक गए हाथ दुश्यासन के (२), चीर बढाए श्याम।
राम से बड़ा राम का नाम (२), अंत में निकला यह परिणाम (२)।
राम से बड़ा राम का नाम।
वो दिल वाले डूब जायेंगे जिनमें नहीं है राम (२)।
वो पत्थर भी तर जायेंगे (२), जिनपर लिखा राम का नाम।
राम से बड़ा राम का नाम (२), अंत में निकला यह परिणाम (२)।
राम से बड़ा राम का नाम।
नामी को चिंता रहती है, नाम ना हो बदनाम (२)।
प्रभु को सब कुछ अर्पण कर दो, बाबा को सब अर्पण करदो।
हो जाओ निष्काम।
राम से बड़ा राम का नाम (२), अंत में निकला ये परिणाम (२)।
राम से बड़ा राम का नाम ।

तेरे पूजन को भगवान् बना मन मंदिर आलीशान(२)।

किसने जानी तेरी माया, किसने भेद तुम्हारा पाया (२)।

हारे ऋषि मुनी कर ध्यान , बना मन मंदिर आलीशान (२)।

तेरे पूजन को भगवान् बना मन मंदिर आलिशान ।

किसने देखी तेरी सूरत, कौन बनाये तेरी मूरत (२)।

तू है निराकार भगवान् बना मन मंदिर आलीशान (२)।

तेरे पूजन को भगवान् बना मन मंदिर आलीशान ।

यह संसार है तेरा मंदिर, तू रमा है इसके अन्दिर (२)।

करते ऋषि मुनी सब ध्यान , बना मन मंदिर आलीशान (२)।

तेरे पूजन को भगवान् बना मन मंदिर आलीशान ।

तू हर गुल में , तू बुलबुल में , तू हर शाख में , तू हर पात में (२)।

तू हर दिल में प्रभु को मान बना मन मंदिर आलीशान (२)।

तेरे पूजन को भगवान् बना मन मंदिर आलीशान ।

तू ही जल में , तू ही थल में , तू ही बन में , तू ही मट में (२)।

तेरा रूप अनूप महान बना मन मंदिर आलीशान (२)।

तेरे पूजन को भगवान् , बना मन मंदिर आलीशान ।

तूने राजा रंक बनाये , तूने भिक्षुक राज कराये (२)।

तेरी लीला ईश महान , बना मन मंदिर आलीशान (२)।

तेरे पूजन को भगवान् बना मन मंदिर आलीशान (२)।

रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम (२)।

सीता राम सीता राम भज प्यारे तू सीता राम (२)।

रघुपति राघव राजा राम , पतित पावन सीता राम (२)।

इश्वर अल्लाह तेरे नाम , सबको सम्मति दे भग्वान (२)।

रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीता राम (२)।

दशरथ नंदन सीता राम , यशोदा नंदन राधे श्याम (२)।

अवध बिहारी सीता राम , कुंज बिहारी राधे श्याम (२)।

रघुपति राघव राजा राम , पतित पावन सीता राम (२)।

पूरब राम , पश्चिम राम , उत्तर राम और दक्षिण राम (२)।

जिनके सेवक हैं हनुमान , उनको हमारा है प्रणाम (२)।

रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम (२)।

धनुष धारी सीता राम , वंशी धारी राधे श्याम (२)।

रावण मर्दन सीता राम , कंस निकंदन राधे श्याम (२)।

रघुपति राघव राजा राम , पतित पावन सीता राम (२)।

जन गन मंगल दायक राम, पतित पावन सीता राम (२)।

रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीता राम (२)।

शरण में आए हैं हम तुम्हारी, दया करो हे दयालु भगवन (२)।

सुधारो बिगड़ी दशा हमारी, दया करो हे दयालु भगवन (२)।

शरण में आए हैं हम तुम्हारी, दया करो हे दयालु भगवन ।

ना हम में बल है, ना हम में शक्ती,ना हम में साधन, ना हम में भक्ती(२)।

तुम्हारे दर के हैं हम भिखारी, दया करो हे दयालु भगवन।

शरण में आए हैं हम तुम्हारी, दया करो हे दयालु भगवन।

जो तुम हो स्वामी तो हम हैं सेवक, जो तुम पिता हो तो हम हैं बालक (२)।

जो तुम हो ठाकुर तो हम पुजारी, दया करो हे दयालु भगवन (२)।

शरण में आए हैं हम तुम्हारी, दया करो हे दयालु भगवन ।

सूना है हम अंश हैं तुम्हारे, तुम्हीं हो सच्चे प्रभु हमारे (२)।

यह है तो सुधि क्यों तुमने बिसारी, दया करो हे दयालु भगवन (२)।

शरण में आए हैं हम तुम्हारी दया करो हे दयालु भगवन ।

बुरे जो हैं हम तो हैं तुम्हारे, भले जो हैं तो हैं हम तुम्हारे (२)।

तुम्हारे हो कर हैं हम दुखारी,दया करो हे दयालु भगवन (२)।

शरण में आए हैं हम तुम्हारी, दया करो हे दयालु भगवन ।

सुधारो बिगड़ी दशा हमारी दया करो हे दयालु भगवन ।

दया करो हे दयालु भगवन (२)।

यह विनती है पल पल छिन छिन, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में (२)।

अपराध न हो इस सेवक से, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में (२)।

जो कुछ भी जग में आता है (२), प्रारभ्ध उसे दे जाता है (२)।

मै लिप्त ना उसमें हो जाऊं, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में (२)।

यह विनती है पल पल छिन छिन, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में ।

यह मानव तन जो पाया है (२), हरि कृपा द्रष्टी की छाया है (२)।

मन की सब चंचलता छूटे, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में (२)।

यह विनती है पल पल छिन छिन, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में ।

गति मति के तुम्हीं विधाता हो (२), मेरे मन के तुम्हीं ज्ञाता हो (२)।

इसलिए नाथ कह रहा यही, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में (२)।

यह विनती है पल पल छिन छिन, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में ।

क्या कहूं प्रभु अन्तरयामी (२), मेरे जीवन धन के हे स्वामी (२)।

मुझ शक्तिहीन के सत्य सुह्रदय रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में (२)।

यह विनती है पल पल छिन छिन, रहे ध्यान तुम्हारे चरणों में।

मन की आँखें खोल बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
राम मिलेंगे रघुबीर मिलेंगे (२)।
राम मिलेंगे तुझे दर्शन देंगे (२)।
जय राम जय राम बोल, बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
मन की आँखें खोल बंदे तुझे राम मिलेंगे।
राम का नाम बड़ा गुणवाला (२)।
राम नाम की तू फेर रे माला (२)।
ना कर टाल मटोल, बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
जय राम जय राम बोल, बंदे तुझे राम मिलेंगे।
राम मिलेंगे रघुबीर मिलेंगे (२)।
राम मिलेंगे तुझे दर्शन देंगे (२)।
जय राम जय राम बोल,बंदे तुझे राम मिलेंगे.
राम का नाम तो है बड़ा सुखदाई (२)।
राम नाम की तू कर ले कमाई (२)।
सच की तराजू तोल , बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
जय राम जय राम बोल,बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
राम मिलेंगे रघुबीर मिलेंगे (२)।
राम मिलेंगे तुझे दर्शन देंगे (२)।
जय राम जय राम बोल, बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
राम संभाले सब की नय्या, भवसागर के राम खिवैय्या (२)।
राम नाम अनमोल, बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
जय राम जय राम बोल,बंदे तुझे राम मिलेंगे (२)।
राम मिलेंगे, रघुबीर मिलेंगे,राम मिलेंगे तुझे दर्शन देंगे।
मन की आँखें खोल बंदे तुझे राम मिलेंगे।

राधे तेरे चरणों की, श्यामा तेरे चरणों की, यदि धूल जो मिल जाए ।
सच कहती हूँ मेरी(२), तकदीर बदल जाए।
राधे तेरे चरणों की, श्यामा तेरे चरणों की ।
यदि धूल जो मिल जाये , सच कहती हूँ मेरी(२), तकदीर बदल जाये ।
राधे तेरे चरणों की ,श्यामा तेरे चरणों की ।
सुनते हैं तेरी रहमत , दिन रात बरसती है (२)।
एक बूँद जो मिल जाये (२), तकदीर बदल जाये ।
राधे तेरे चरणों की, श्यामा तेरे चरणों की ।
ये मन बड़ा चंचल है, कैसे तेरा भजन करूँ (२)।
जितना इसे समझाऊँ (२), उतना ही मचल जाये ।
राधे तेरे चरणों की, श्यामा तेरे चरणों की ।
नज़रों से गिराना ना, चाहे कितनी सज़ा देना (२)।
नज़रों से जो गिर जाएं (२),मुश्किल है बदल जाएं।
राधे तेरे चरणों की, श्यामा तेरे चरणों की।
श्यामा मेरे जीवन की, बस एक तमन्ना है (२)।
तू सामने हो मेरे (२), जब अंत समय आये ।
राधे तेरे चरणों की, श्यामा तेरे चरणों की ।
यदि धूल जो मिल जाये, सच कहती हूँ मेरी (२)।
तकदीर बदल जाये, राधे तेरे चरणों की।

छोटी छोटी गैयाँ, छोटे छोटे ग्वाल।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
छोटी छोटी गैयाँ ,छोटे छोटे ग्वाल।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
आगे आगे गैयाँ, पीछे पीछे ग्वाल (२)।
बीच में मेरो मदन गोपाल (२)।
छोटी छोटी गैयाँ,छोटे छोटे ग्वाल।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
अरी, छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
कारी कारी गैयाँ, गोरे गोरे ग्वाल (२)।
श्याम वरन मेरो मदन गोपाल (२)।
छोटी छोटी गैयाँ ,छोटे छोटे ग्वाल।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
अरी, छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
छोटी छोटी लकुटी, छोटे छोटे हाथ (२)।
बंसी बजावे मेरो मदन गोपाल (२)।
छोटी छोटी गैयाँ , छोटे छोटे ग्वाल (२)।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
अरी, छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
छोटी छोटी सखियाँ, मधुबन बाग (२)।
रास राचावे मेरो मदन गोपाल (२)।
छोटी छोटी गैयाँ , छोटे छोटे ग्वाल।
छोटो सो मेरो मदन गोपाल।
अरी, छोटो सो मेरो मदन गोपाल।

तारा है सारा ज़माना, प्रभु हम को भी तारना (२)।
ऐसे तार जैसे अर्जुन को तारा (२)।
गीता का लेकर बहाना, प्रभु हमको भी तारना (२)।
तारा है सारा ज़माना,प्रभु हम को भी तारना ।
ऐसे तार जैसे मीरा को तारा (२)।
प्याले का लेकर बहाना , प्रभु हम को भी तारना (२)।
तारा है सारा ज़माना, प्रभु हम को भी तारना।
ऐसे तार जैसे द्रौपदी को तारा (२)।
साड़ी का लेकर बहाना,प्रभु हम को भी तारना (२)।
तारा है सारा ज़माना,प्रभु हम को भी तारना।
ऐसे तार जैसे गोपीयों को तारा (२)।
माखन का लेकर बहाना , प्रभु हम को भी तारना (२)।
तारा है सारा ज़माना,प्रभु हमको भी तारना।
ऐसे तार जैसे शबरी को तारा (२)।
बेरों का लेकर बहाना, प्रभु हम को भी तारना (२)।
तारा है सारा ज़माना, प्रभु हम को भी तारना।
ऐसे तार जैसे सुग्रीव को तारा (२)।
बालि का लेकर बहाना प्रभु हम को भी तारना (२)।
तारा है सारा ज़माना, प्रभु हम को भी तारना।
ऐसे तार जैसे विभीषन को तारा (२)।
सीता का लेकर बहाना प्रभु हम को भी तारना (२)।
तारा है सारा ज़माना , प्रभु हमको भी तारना ।

थोड़ा ध्यान लगा(२), साईं दौड़े दौड़े आयेंगे,थोड़ा ध्यान लगा ।
थोड़ा ध्यान लगा साईं दौड़े दौड़े आयेंगे तुझे गले से लगायेंगे ।
अँखियाँ मन की खोल(२),तुझको दर्शन वो करायेंगे(२)।
तुझे गले से लगायेंगे।
थोड़ा ध्यान लगा,साईं दौड़े दौड़े आयेंगे,थोड़ा ध्यान लगा ।
हैं राम रमैया वो, हैं कृष्ण कन्हैया वो,वही मेरा साईं है ।
सत्कर्म राहों पे चलना सिखाते वो,वही जगदीश हैं हो ओ ओ।
प्रेम से पुकार (२),तेरे पाप को जलायेंगे,प्रेम से पुकार।
प्रेम से पुकार,तेरे पाप को जलायेंगे।
तुझे गले से लगाएंगे।
थोड़ा ध्यान लगा साईं दौड़े दौड़े आयेंगे थोड़ा ध्यान लगा ।
कृपा की छाया में,बैठाएंगे तुझको,जहां तुम जाओगे।
उनकी दया द्रष्टी जब जब पड़ेगी तुम पर,यह भव तर जाओगे(२)।
ऐसा है विश्वास(२),मन में ज्योत वो जगाएंगे (२)।
तुझे गले से लगाएंगे ।
थोड़ा ध्यान लगा(२),साईं दौड़े दौड़े आयेंगे थोड़ा ध्यान लगा ।
मुनियों ने ऋषियों ने,गुरु शिष्य महिमा का,किया गुण गान है।
साईं जी के चरणों में,झुकती सकल स्रष्टी, झुके भगवान् हैं(२) हो ओ ओ।
महिमा है अपार(२),सत की राह वो दिखाएँगे(२)तुझे गले से लगाएंगे।
थोड़ा ध्यान लगा(२), साईं दौड़े दौड़े आएंगे,थोड़ा ध्यान लगा ।
थोड़ा ध्यान लगा, साईं दौड़े दौड़े आयेंगे,तुझे लगे से लगाएंगे ।
अँखियाँ मन की खोल(२),तुझको दर्शन वो करायेंगे ।
तुझे गले से लगाएंगे,थोड़ा ध्यान लगा ।

सतगुरु मैं तेरी पतंग, बाबा मैं तेरी पतंग,हवा विच उडदी जावांगी (२)
साइयाँ डोर हथ्थों छड्डी ना मैं कट्टी जावांगी (२)
सतगुरु मैं तेरी पतंग ,बाबा मैं तेरी पतंग
बड़ी मुश्किल दे नाल्लों मिल्या मैंनूं तेरा द्वारा वे,साइयाँ तेरा द्वारा वे (२)
मैनू एको तेरा आसरा नाल तेरा सहारा वे,साइयाँ तेरा सहारा वे (२)
हुन्न तेरे ही भरोसे, साइयाँ तेरे ही भरोसे,हवा विच उडदी जावाँगी (२)
साइयाँ डोर हथ्थों छड्डी ना मैं कट्टी जावाँगी (२)
सतगुरु मैं तेरी पतंग, बाबा मैं तेरी पतंग
एन चरना कमला नाल्लों , मैनू दूर हटाईं ना,साइयाँ दूर हटाईं ना (२)
इस झूठे जग दे अन्दर, मेरा पेंचा लाईं ना,मेरा पेंचा लाईं ना (२)
जे कट गई ते सतगुरु, फिर मैं लुट्टी जावाँगी,फिर मैं लुट्टी जावाँगी
साईयाँ डोर हथ्थों छड्डी ना मैं कट्टी जावाँगी (२)
सतगुरु मैं तेरी पतंग बाबा मैं तेरी पतंग
अज मिलिया बूहा अंकों मैं तेरे द्वार दा,साइयाँ तेरे द्वार दा (२)
हथ रख दे एक वारी तू मेरे सर दे प्यार दा, साइयाँ सर दे प्यार दा (२)
फिर जनम मरण दे गेडे (२),तो मैं बचदी जावांगी, हवा विच उडदी जावांगी
साइयाँ डोर हथ्हों छड्डी ना, मैं कट्टी जावांगी,हवा विच उडदी जावांगी (२)।
साइयाँ डोर हथ्हों छड्डी ना,मैं कट्टी जावांगी (२)।
सतगुरु मैं तेरी पतंग, बाबा मैं तेरी पतंग (२)।

राधा ढूंढ़ रही, किसीने मेरा श्याम देखा (२)।
श्याम देखा, घन्श्याम देखा, श्याम देखा, घन्श्याम देखा ।
राधा ढूंढ़ रही, किसीने मेरा श्याम देखा।
राधा तेरा श्याम हमनें मथुरा में देखा (२)।
बंसी बजाते हुए, हो राधा तेरा श्याम देखा।
राधा ढूंढ रही, किसीने मेरा श्याम देखा।
राधा तेरा श्याम हमनें वृन्दावन में देखा (२)।
रास रचाते हुए, हो राधा तेरा श्याम देखा।
राधा ढूंढ रही किसी ने मेरा श्याम देखा ।
राधा तेरा श्याम हमनें गटीपुरा में देखा (२)।
गोवर्धन उठाते हुए, हो राधा तेरा श्याम देखा ।
राधा ढूंढ रही, किसीने मेरा श्याम देखा ।
राधा तेरा श्याम हमनें वैष्णवजन में देखा (२)।
राधे राधे जपते हुए, हो राधा तेरा श्याम देखा।
राधा ढूंढ रही किसीने ने मेरा श्याम देखा ।

दुनियाँ चले ना श्री राम के बिना, राम के बिना ।
राम जी चलें ना हनुमान के बिना (२)।
बाली का मरना मुश्किल था ।
सुग्रीव का मिलना ज़रूरी था (२) ।
बाली मरे ना श्री राम के बिना, राम के बिना ।
सुग्रीव मिलेना हनुमान के बिना (२)।
दुनियाँ चले ना श्री राम के बिना,
रामजी चलें ना हनुमान के बिना (२) ।
सीताजी का मिलना मुश्किल था ।
पता लगाना ज़रूरी था (२) ।
सीताजी मिलेंना श्री राम के बिना, राम के बिना।
पता चले ना हनुमान के बिना (२) ।
दुनियाँ चले ना श्री राम के बिना,
रामजी चलें ना हनुमान के बिना (२) ।
लक्ष्मण का बचना मुश्किल था।
बूटी का मिलना ज़रूरी था (२)।
लक्ष्मण बचें ना श्री राम के बिना, राम के बिना ।
बूटी मिलेना हनुमान के बिना (२)।
दुनियाँ चले ना श्री राम के बिना,
रामजी चलें ना हनुमान के बिना (२) ।
रावण का मरना मुश्किल था।
लंका का जलना ज़रूरी था (२)।
रावण मरे ना श्री राम के बिना, राम के बिना ।
लंका जले ना हनुमान के बिना (२) ।
दुनियाँ चले ना श्री राम के बिना, राम के बिना ।
रामजी चलें ना हनुमान के बिना (२) ।

तालियाँ बजाओ सारे तालियाँ बजाओ (२)।
खुशियाँ मनाओ सारे खुशियाँ मनाओ (२)।
हर कोई येही बोले, मेरे राम ने आना (२)।
चारों तरफ खूब फूल बरसाओ (२)।
पता नहीं राम कहाँ से आएं (२)।
यहाँ से आएं वहाँ से आएं (२)।
सब दरवाज़े खोलो, मेरे राम ने आना (२)।
तालियाँ बजाओ सारे तालियाँ बजाओ(२)।
खुशियाँ मनाओ सारे खुशियाँ मनाओ (२) ।
हर कोई येही बोले, मेरे राम ने आना (२) ।
रामजी आएं तो कहाँ बिठाऊँ (२)।
यहाँ बिठाऊँ वहाँ बिठाऊँ (२)।
ह्रदय के पट खोलो, मेरे राम ने आना ।
तालियाँ बजाओ सारे तालियाँ बजाओ ।
खुशियाँ मनाओ सारे खुशियाँ मनाओ ।
हर कोई येही बोले , मेरे राम ने आना ।
रामजी आएं तो फूल बरसाओ (२)।
फूलों की सेज पे उनको बिठाओ (२)।
आगए हौले हौले, मेरे रामजी आए (३)।
तालियाँ बजाओ सारे तालियाँ बजाओ ।
खुशियाँ मनाओ सारे खुशियाँ मनाओ,मेरे रामजी आए ।
रज रज रामजी को भोग लगाऊँ।
हलवा पूड़ी का भोग लगाऊँ।
रज रज दर्शन पाऊँ मेरे रामजी आए ।

आजा प्रभू ,आजा प्रभू,आजा प्रभू जीवन में।
बस जा प्रभू,बस जा प्रभू,बस जा प्रभू इस मन में।
इस सुंदर बगिया के रंग बिरंगे फूल।
अन्धकार और पाप यहाँ, मिटा गये ये सारे फूल।
बन के बहार आ जा , मेरे प्रभू तू आजा।
आजा प्रभू,आजा प्रभू,आजा प्रभू जीवन में।
बस जा प्रभू, बस जा प्रभू, बस जा प्रभू इस मन में।
उलझ गये हैं हम सब मैले जालों में।
भटक रहे हैं कितने स्वार्थ के जंजालों में।
खेवन हार आ जा, मेरे प्रभू तू आजा।
आजा प्रभू,आजा प्रभू,आजा प्रभू जीवन में।
बस जा प्रभू बस जा प्रभू,बस जा प्रभू इस मन में।
आस लगाए हूँ मैं कर दो बेड़ा पार।
समझ ना पाऊँ रास्ता जाऊं कहाँ प्रभू मैं।
तारण हार आ जा, मेरे प्रभू तू आजा।
आजा प्रभू,आजा प्रभू,आजा प्रभू जीवन में।
बस जा प्रभू,बस जा प्रभू,बस जा प्रभू इस मन में।

तेरी मेहरबानी का है बोझ इतना,कि मैं तो उठाने के काबिल नहीं हूँ ।

मैं आ तो गया हूँ, मगर जानता हूँ,तेरे दर पे आने के काबिल नहीं हूँ ।

ये माना के दाता हो तुम्हीं कुल जहां के, मगर कैसे झोली फैलाऊँ मैं आगे।

जो पहले दिया है,वो कुछ कम नहीं है,उसी को निभाने के काबिल नहीं हूँ।

तेरी महरबानी का है बोझ इतना, कि मैं तो उठाने के काबिल नहीं हूँ ।

तुम्हीं ने अदा की मुझे ज़िन्दगानी,तेरी महिमा फिर भी मैंने ना जानी ।

करजदार तेरी दया का हूँ इतना, ये कर्जा चुकाने के काबिल नहीं हूँ ।

तेरी महरबानी का है बोझ इतना, कि मैं तो उठाने के काबिल नहीं हूँ।

ज़माने की चाहत में,खुद को मिटाया,तेरा नाम हरगिज़ ज़ुबां पे ना आया।

गुनहगार हूँ मैं, सज़ावार हूँ मैं,तुम्हें मुंह दिखाने के काबिल नहीं हू।

तेरी महरबानी का है बोझ इतना,कि मैं तो उठाने के काबिल नहीं हूँ।

तमन्ना यही है की सिर को झूका दूं,तेरा दीद इक बार दिल में मैं पा लूं।

सिवा दिल के टुकड़ों के ऐ मेरे दाता,कुछ भी चढ़ाने के काबिल नहीं हूँ ।

तेरी महरबानी का है बोझ इतना,कि मैं तो उठाने के काबिल नहीं हूँ ।

नक्शा तेरा दिलकश है,सूरत तेरी प्यारी है।
जिसने भी तुझे देखा,सौ जान से वारी है।
तस्वीर तेरी दिल में, ए दिलवर जाना ना।
सौ आईने तोड़े हैं,तब दिल में उतारी है।
नक्शा तेरा दिलकश है,सूरत तेरी प्यारी है।
साये में तुम्हारे हैं,किस्मत यह हमारी है।
कुर्बान दिलो जानम,क्या शान तुम्हारी है।
नक्शा तेरा दिलकश है,सूरत तेरी प्यारी है।
यह दिल तेरा मंदिर है, और मन यह पुजारी है।
मंदिर में जो रक्खी है,मूरत वह तुम्हारी है।
नक्शा तेरा दिलकश है,सूरत तेरी प्यारी है।
क्या नज़र करें तुमको,क्या चीज़ हमारी है।
यह दिल भी तुम्हारा है, और जाँभी तुम्हारी है।
नक्शा तेरा दिलकश है, सूरत तेरी प्यारी है।

मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता (२)
जो कोई जैसी करनी करता, वैसा ही फल पाता
मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता
क्या साधू क्या संत गृहस्थी,क्या राजा क्या रानी (२)
प्रभु की पुस्तक में लिखी है, सबकी कर्म कहानी (२)
अंतर्यामी अन्दर बैठा सबका हिसाब लगाता
मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता (२)
बड़े बड़े क़ानून प्रभु के बड़ी बड़ी मर्यादा (२)
किसी को कौड़ी कम नहीं मिलती, मिले न पाई ज़्यादा (२)
इसीलिए तो दुनिया का वो जगतपिता कहलाता
मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता (२)
चले न उसके आगे रिश्वत, चले नहीं चालाकी (२)
उसकी लेन देन की बंदे रीत बड़ी है बांकी (२)
समझदार तो चुप है रहता, मूरख शोर मचाता
मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता (२)
उजली करनी कर ले रे बंदे, कर्म न करियो काला (२)
लाख आँख से देख रहा है, तुझे देखने वाला (२)
उसकी तेज़ नज़र से बन्दे,कोई नहीं बच पाता
मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता (२)
जो कोई जैसी करनी करता वैसा ही फल पाता

सीता राम सीता राम सीता राम कहिए, जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए(२)।

मुख में हो राम नाम राम सेवा हाथ में(२),तू अकेला नहीं प्यारे राम तेरे साथ में(२)।

विधि का विधान जान हानि लाभ सहिए(२),जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए(२)।

सीता राम सीता राम सीता कहिए, जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए।

किया अभिमान तो फिर मान नहीं पाएगा(२), होगा प्यारे वही जो श्री रामजी को भाएगा(२)।

फल आशा त्याग शुभ कर्म करते रहिए(२),जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए (२)।

सीता राम सीता राम सीता कहिए, जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए।

ज़िन्दगी की डोर सौंप हाथ दीना नाथ के(२), महलों में राखे चाहे झोपड़े में वास दे(२)।

धन्यवाद निर्विवाद राम राम कहिए(२), जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए(२)।

सीता राम सीता राम सीता कहिए, जाही विधि राखे राम ताही विधि रहिए(२)।

बनवारी रे, जीने का सहारा तेरा नाम रे, मुझे दुनियाँ वालों से क्या काम रे (२)।

झूठी दुनियाँ, झूठे बंधन, झूठी है ये माया (२)।

झूठा स्वांस का आना जाना, झूठी है ये काया (२)।

हाँ यहाँ साँचा तेरा नाम रे ।

बनवारी रे, जीने का सहारा तेरा नाम रे, मुझे दुनियाँ वालों से क्या काम रे (२)।

रंग में तेरे रंग गई गिरधर, छोड़ दिया जग सारा (२)।

बन गई तेरे प्रेम में जोगन, लेकर मन एक तारा (२)।

हाँ मुझे प्यारा तेरा नाम रे ।

बनवारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे, मुझे दुनियाँ वालों से क्या काम रे ।

दर्शन तेरा जिस दिन पाऊँ, हर चिंता मिट जाए (२)।

जीवन मेरा उन चरणों में आस की ज्योत जगाए (२)।

हाँ मेरी बाहं पकड़ लो श्याम रे ।

बनवारी रे जीने का सहारा तेरा नाम रे, मुझे दुनियाँ वालों से क्या काम रे (२)।

पायोजी मैंने राम रतन धन पायो, पायोजी मैंने राम रतन धन पायो ।

वस्तु अमोलिक दी मेरे सतगुरु (२), किरपा कर अपनायो (२)।

पायोजी मैंने राम रतन धन पायो, पायोजी मैंने राम रतन धन पायो ।

जनम जनमकी पूँजी पाई, जगमें सभी खोवायो (२)।

पायोजी मैंने राम रतन धन पायो, पायोजी मैंने राम रतन धन पायो ।

खरच न खूटै, चोर न लूटै (२) दिन दिन बढ़त सवायो (२)।

पायोजी मैंने राम रतन धन पायो, पायोजी मैंने राम रतन धन पायो ।

सतकी नाव, खेवटिया सतगुरु, (२) भवसागर तर आयो ।

पायोजी मैंने राम रतन धन पायो, पायोजी मैंने राम रतन धन पायो ।

मीराके प्रभु गिरधर नागर (२), हरख हरख जस गायो (२)।

पायोजी मैंने राम रतन धन पायो, पायोजी मैंने राम रतन धन पायो ।

प्रभु प्यारे से जिसका सम्बन्ध है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है (२)।

उसको चिंता कभी ना सताए,वो तो जनम जनम गुण गाये (२)।

उसका कटता चौरासी का फंद है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है (२)।

प्रभु प्यारे से जिसका सम्बन्ध है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है ।

जिसकी वाणीं में कोयल सी चहक हो, जिसके जीवन में फूलों की महक हो (२)।

जिसको सत्संग ही सत्संग पसंद है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है ।

प्रभु प्यारे से जिसका सम्बन्ध है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है ।

जिसको निंदा कभी ना भाए,पाप द्वेष से वो मन हटाए (२)।

राम उसकी तो मुट्ठी में बंद है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है (२)।

प्रभु प्यारे से जिसका सम्बन्ध है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है ।

झूठी दुनियाँ से कर के किनारा,लेलो सच्चे प्रभु का सहारा (२)।

झूठी दुनियाँ के झूठे सम्बन्ध हैं, उसको हर दम आनंद ही आनंद है ।

प्रभु प्यारे से जिसका सम्बन्ध है, उसको हर दम आनंद ही आनंद है।

राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली गली,
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली गली ।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
माया के दीवानों सुन लो एक दिन ऐसा आयेगा (२)।
धन दौलत और माल खज़ाना यहीं पड़ा रह जायेगा (२)
सुंदर काया मिट्टी होगी चर्चा होगी गली गली ।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली गली ।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
क्यों करता है मेरी मेरी यह तो तेरा मुकाम नहीं (२)।
झूठे जग में फंसा हुआ है, वह सच्चा इंसान नहीं (२)।
जग का मेला दो दिन का है, अंत में होगी चला चली।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली गली ।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
जिन जिन नें यह मोती लुटे वह तो माला माल हुए (२)।
धन दौलत के बनें पुजारी आखिर वह कंगाल हुए (२)।
चांदी सोने वालों सुनलो बात सुनाऊँ खरी खरी ।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली गली ।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
दुनियाँ को तू कब तक पगले अपनी अपनी कहलायेगा (२)।
ईश्वर को तू भूल रहा है अंत समय पछतायेगा (२)।
दो दिन का यह चमन खिला है फिर मुरझाई कली कली ।
लेलो रे कोई नाम का प्याला शोर मचाऊँ गली गली ।
राम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली गली ।

ज्योत से ज्योत जगाते चलो (२), प्रेम की गंगा बहाते चलो(२)।

राह में आए जो दीन दुखी (२), सबको गले से लगाते चलो (२)।

ज्योत से ज्योत जगाते चलो (२), प्रेम की गंगा बहाते चलो (२)।

जिसका ना कोई संगी साथी, इश्वर है रखवारा (२)।

जो निर्धन है, जो निर्बल है, वो है प्रभु को प्यारा (२)।

प्यार के मोती लुटाते चलो,प्रेम की गंगा बहाते चलो(२)।

ज्योत से ज्योत जगाते चलो (२), प्रेम की गंगा बहाते चलो (२)।

आशा टूटी, ममता रूठी, छूट गया है किनारा (२)।

बंद करो मत द्वार दया का, दे दो कुछ तो सहारा (२)।

दीप दया का जलाते चलो प्रेम की गंगा बहाते चलो ।

ज्योत से ज्योत जगाते चलो (२), प्रेम की गंगा बहाते चलो ।

छाया है चहूँ ओर अन्धेरा, भटक गई हैं दिशाएं (२)।

मानव बन बैठा है दानव, किसको व्यथा सुनाएं (२)।

धरती को स्वर्ग बनाते चलो प्रेम की गंगा बहाते चलो (२)।

ज्योत से ज्योत जगाते चलो (२) , प्रेम की गंगा बहाते चलो(२)।

तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार उदासी मन काहे को करे (२)।

नय्या तेरी राम हवाले, लहर लहर हरि आप सम्भालें (२)।

हरि, आप ही लगाएं बेड़ा पार, उदासी मन काहे को करे (२)।

तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार उदासी मन काहे को करे।

काबू में मझधार उसीके, हाथों में पतवार उसीके (२)।

तेरी हार भी नहीं है तेरी हार, उदासी मन काहे को करे।

सहज किनारा मिल जाएगा, परम सहारा मिल जाएगा (२)।

डोरी सौंप के तो देख एक बार, उदासी मन काहे को करे (२)।

तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार उडादी मन काहे को करे।

तू निर्दोष तुझे डर भी क्या है, पग पग पर साथी इश्वर है (२)।

ज़रा भाव से कर लो पुकार, उदासी मन काहे को करे (२)।

तेरा रामजी करेंगे बेड़ा पार उदासी मन काहे को करे।

हर देश में तू हर वेश में तू, तेरे नाम अनेक तू एकही है।

तेरी रंगभूमि यह विश्वभरा, सब खेलमें मेलमें तू ही तू है।

सागर से उठे बादल बनके, बादल से फटा जल हो करके।

फिर नहर बना नदियाँ गहरी, तेरे भिन्न प्रकार तू एकही है।

चींटी से भी अणू परमाणू बना, सब जीव जगत का रूप लिया।

कहीं पर्वत वृक्ष विशाल बना, सौंदर्य तेरा तू एकही है।

यह विश्व दिलाया है जिसने, यह है गुरुदेव की पूर्ण दया।

तुकड्या कहे और न कोई दिखा, बस मैं और तू सब एकही हैं।

प्रभुजी तुम बड़े दयालु हो।

प्रभुजी तुम बड़े क्रपालु हो।

प्रभुजी हम बालक तेरे हैं।

प्रभुजी हमें चरणों में रखना।

प्रभुजी हमें शरण में रखना।

प्रभुजी तुम बड़े दयालु हो।

प्रभुजी तुम बड़े क्रपालु हो।

प्रभुजी तेरा प्यार मिले हमको।

प्रभुजी इकरार मिले हमको।

प्रभुजी हम विनती करते हैं।

प्रभुजी तुम बड़े दयालु हो।

प्रभुजी तुम बड़े क्रपालु हो।

तेरा मेरा साथ पुराना है।

यह सब सन्तों से जाना है।

प्यार की भिक्षा दो मुझको।

प्रभुजी तुम बड़े दयालु हो।

सुमिरन करलो जी , हीरा जन्म अनमोल।
चोला रंग लो जी , इसका न लागे मोल।
कृपा करदी हरी ने तुझ पर मानुष जन्म दिलाया , मानुष जन्म दिलाया।
श्वास श्वास तू चेतन हो जा , वृथा जन्म न जाया , वृथा जन्म न जाया।
काहे भट्कोजी , घट में हीरा अमोल (२)।
सुमिरन करलो जी , हीरा जन्म अनमोल।
ना कोई तेरा संगी साथी , जग है खेल पराया , जग है खेल पराया।
आज हुआ जो तेरा अपना , कल होगा वह पराया, कल होगा वह पराया।
प्रभू के हो जाओ जी , अन्तर के पट खोल (२)।
सुमिरन करलो जी , हीरा जन्म अनमोल।
सद्गुरु गाके करदी कृपा , प्रेम से ज्ञान सुनाया , प्रेम से ज्ञान सुनाया।
घट में ही तेरा प्रभू है बैठा , अपने में ही जनाय , अपने में ही जनाया।
गुरु से सीख लोजी , कछू न लागे मोल (२)।
सुमिरन करलो जी , हीरा जन्म अनमोल।
चोला रंग लो जी , कछू न लागे मोल।

पियो पियो रे पी ने वालों, तुम राम नाम रस पीया करो (२)।
जीयो जीयो रे जीने वालों,तुम राम सहारे जीया करो (२)।
प्रेम दीवानी मीरा देखो पी गई ज़हर का प्याला (२)।
बाल ना बांका उसका हुआ ,बन गया वो रखवाला (२)।
पियो पियो रे पी ने वालों,तुम राम नाम रस पीया करो।
जीयो जीयो रे जीने वालों, तुम राम सहारे जीया करो।
राम दीवानी भीलनी,देखो चुन चुन लाइ बेर (२)।
कुटिया अन्दर राम विराजे,खाए झूठे बेर (२)।
पीयो पीयो रे पी ने वालों, तुम राम नाम रस पीया करो।
जीयो जीयो रे जीने वालों, तुम राम सहारे जीया करो।
फटे पुराने कपड़े, पहने आ गया मित्र सुदामा (२)।
एक नज़र जब प्रभू की पड़गई हो गया पूरण कामा (२)।
पीयो पीयो रे पीने वालों,तुम राम नाम रस पीया करो।
जीयो जीयो रे जीने वालों, तुम राम सहारे जीया करो।
लाखों पापी तारे तूने, आ गई मेरी बारी (२)।
शरण पडेकी लाज राखलो,साँवरिया गिरधारी (२)।
पीयो पीयो रे पीने वालों, तुम राम नाम रस पीया करो।
जीयो जीयो रे जीने वालों तुम राम सहारे जीया करो।

प्रबल प्रेम के वश में होकर प्रभु को नियम बदलते देखा ।
उनका मान टले टल जाए भक्त का मान न टलते देखा ।
जिनकी केवल दया द्रष्टि से सकल स्रष्टि को पलते देखा ।
उनको गोकुल के गोरस पर सौ सौ बार मचलते देखा ।
प्रबल प्रेम के वश में होकर प्रभु को नियम बदलते देखा ।
उनका मान टले टल जाए भक्त का मान न टलते देखा ।
जिनके चरण कमल कमला के करतल से न निकलते देखा।
उनको ब्रज कुरील कुन्जों में कंटक पथ पर चलते देखा।
प्रबल प्रेम के वश में होकर प्रभु को नियम बदलते देखा ।
उनका मान टले टल जाए भक्त का मान न टलते देखा ।
जिनका ध्यान विरंचि शंभु सनकादिक से न संभलते देखा ।
उनको ग्वाल सखा मंडल में लेकर गेंद उछलते देखा ।
प्रबल प्रेम के वश में होकर प्रभु को नियम बदलते देखा।
उनका मान टले टल जाए भक्त का मान न टलते देखा ।
जिनकी बंक भ्रकुटी के भय से सागर सप्त उबलते देखा ।
उनको ही यशोदा के भय से अश्रु बिंदु दृग ढलते देखा।
प्रबल प्रेम के वश में होकर प्रभु को नियम बदलते देखा ।
उनका मान टले टल जाए भक्त का मान न टलते देखा ।

दाता एक राम दाता एक राम, भिखारी सारी दुनियां ।
राम एक देवता पुजारी सारी दुनिया, पुजारी सारी दुनियां ।
दाता एक राम भिखारी सारी दुनियां राम एक देवता ।
द्वारे पे उसके जाके कोई भी पुकारता।
परम कृपा से अपनी भव से उबारता।
ऐसे दीनानाथ पे, ऐसे दीनानाथ पे ।
बलिहारी सारी दुनियां बलिहारी सारी दुनियां ।
दाता एक राम भिखारी सारी दुनियां राम एक देवता ।
दो दिन का जीवन प्राणी करले विचार तू।
प्यारे प्रभु को अपने मन में निहार तू ।
बिना हरि नाम के, बिना हरी नाम के ।
दुखियारी सारी दुनियां, दुखियारी सारी दुनियां ।
दाता एक राम भिखारी सारी दुनियां राम एक देवता ।
नाम का प्रकाश जब अन्दर जगायेगा।
प्यारे श्री राम का तू दर्शन पायेगा।
ज्योति से जिसकी है, ज्योति से जिसकी है ।
उजियारी सारी दुनियां, उजियारी सारी दुनियां ।
दाता एक राम भिखारी सारी दुनियां राम एक देवता ।

नमस्कार भगवान् तुम्हें , भक्तों का बारंबार हो।
श्रद्धा रुपी भेंट हमारी , मंगलमय स्वीकार हो।
तुम कण कण में रमे हुए हो , तुझमें जगत समाया है।
तिनका हो चाहे पर्वत हो , सभी तुम्हारी माया है।
तुम दुनिया के हर प्राणी के , जीवन के आधार हो।
श्रद्धा रुपी भेंट हमारी , मंगलमय स्वीकार हो।
नमस्कार भगवान तुम्हें , भक्तों का बारंबार हो।
सब के सच्चे पिता तुम्हीं हो , तुम्हीं जगत की माता हो।
भाई बंधु रक्षक सखा तुम , साहक रक्षक दाता हो।
चींटी से लेकर हाथी तक , सबके सिरमन हार हो।
श्रद्धा रुपी भेंट हमारी , मंगलमय स्वीकार हो।
नमस्कार भगवान् तुम्हें , भक्तों का बारंबार हो।
ऋषि मुनि योगी जन सबही , तुम ही से वर पाते हैं।
क्या राजा क्या रंक तुम्हारे , दर पर शीश झुकाते हैं।
परम क्रपालु परम दयालु , करुणा के आधार हो।
श्रद्धा रुपी भेंट हमारी , मंगलमय स्वीकार हो।
नमस्कार भगवान् तुम्हें ,भक्तों का बारंबार हो।
जीवन के तूफानों में प्रभु , तुम ही एक सहारा हो।
डगमग डगमग नैया डोले , तुम ही नाथ किनारा हो।
तुम केवट हो इस नैया के,और तुम्हीं पतवार हो।
श्रद्धा रुपी भेंट हमारी, मंगलमय स्वीकार हो।
नमस्कार भगवान् तुम्हें , भक्तों का बारंबार हो।
श्रद्धा रुपी भेंट हमारी , मंगलमय स्वीकार हो।

ऐ मालिक तेरे बंदे हम , ऐसे हों हमारे करम ।
नेकी पर चलें और बदी से टलें, ताकी हँसते हुए निकले दम ।
ऐ मालिक तेरे बंदे हम, ऐसे हों हमारे करम ।
नेकी पर चलें और बदी से टलें, ताकी हँसते हुए निकले दम ।
ऐ मालिक तेरे बंदे हम ।
बड़ा कमज़ोर है आदमी, अभी लाखों है इसमें कमी (२)।
पर तू जो खड़ा, है दयालु बड़ा,तेरी कृपा से धरती थमी ।
दिया तूने हमें जब जन्म, तू ही झेलेगा हम सब के गम।
नेकी पर चलें, और बदी से टलें, ताकी हंसते हुए निकले दम।
ऐ मालिक तेरे बंदे हम ।
ये अन्धेरा घना छा रहा, तेरा इंसान घबरा रहा (२)।
हो रहा बेखबर, कुछ न आता नज़र, सुख का सूरज छुपाजा रहा।
है तेरी रोशनी में जो दम, तो अमावस को करदे पूनम।
नेकी पर चलें, और बदी से टलें, ताकी हँसते हुए निकले दम ।
ऐ मालिक तेरे बंदे हम ।
जब ज़ुल्मों का हो सामना, तब तू ही हमें थामना (२)।
वो बुराई करें, हम भलाई करें, नहीं बदले की हो कामना ।
बढ़ उठे प्यार का हर कदम, और मिटे बैर का ये भरम।
नेकी पर चलें, और बदी से टलें, ताकि हँसते हुए निकले दम ।
ऐ मालिक तेरे बंदे हम, ऐसे हों हमारे करम।

गोविन्द या विधि भोग लगाओ, भक्त वच्छल हरी नाम कहाओ (२)।

बेर भीलनी के तुम खाए(२), देख ऋषि मुनि सब हर्षाए(२)।

गोविन्द या विधि भोग लगाओ, भक्त वच्छल हरी नाम कहाओ ।

बासी साग विदुर घर खाए(२), दुर्योधन के मान घटाए(२)।

गोविन्द या विधि भोग लगाओ, भक्त वच्छल हरी नाम कहाओ ।

विश्वकर्मा की खिचड़ी खाई(२), मेरे लिए क्यों सुध बिसराई(२)।

गोविन्द या विधि भोग लगाओ, भक्त वच्छल हरी नाम कहाओ ।

तुम्हरी विभूति प्रभु तुम्हरे आगे(२),हमसे दीनन को क्या लागे(२)।

गोविन्द या विधि भोग लगाओ, भक्त वच्छल हरी नाम कहाओ ।

प्रेम प्रीती संग भोजन कीजे(२), बाकी बचे हम सबको दीजे, शेष बचे हम सबको दीजे ।

गोविन्द या विधि भोग लगाओ, भक्त वच्छल हरी नाम कहाओ ।

आरती जगदीशजी की

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे,
भक्त जनोंके संकट दास जनों के संकट क्षण में दूर करें
ॐ जय जगदीश हरे
जो ध्यावें फल पावें दुःख विनसे मन का, स्वामी दुःख विनसे मन का,
सुख संपत्ति घर आवै (2), कष्ट मिटे तन का
ॐ जय जगदीश हरे
मात पिता तुम मेरे शरण गहूँ मैं किसकी, स्वामी शरण गहूँ मैं किसकी
तुम बिन और न दूजा, प्रभु बिन और न दूजा, आस करूँ मैं जिनकी
ॐ जय जगदीश हरे
तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी, स्वामी तुम अन्तर्यामी
पारब्रह्म परमेश्वर (२), तुम सबके स्वामी
ॐ जय जगदीश हरे
तुम करुणाके सागर तुम पालन करता, स्वामी तुम पालन करता
मैं मूरख खल कामी, मैं सेवक तुम स्वामी, कृपा करो भरता
ॐ जय जगदीश हरे
तुम हो एक अगोचर सबके प्राण पती, स्वामी सबके प्राण पती
किस विधि मिलूँ दयामय(२), तुमको मैं कुमती
ॐ जय जगदीश हरे

दीनबन्धु दुखहर्ता ठाकुर तुम मेरे, स्वामी रक्षक तुम मेरे
अपने हाथ बढ़ाओ, अपनी शरण लगाओ द्वार पड़ा मैं तेरे
ॐ जय जगदीश हरे
विषय-विकार मिटाओ पाप हरो देवा, स्वामी कष्ट हरो देवा
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ श्रद्धा प्रेम बढ़ाओ संतन की सेवा
ॐ जय जगदीश हरे
तन मन धन सब है तेरा स्वामी सबकुछ है तेरा
तेरा तुझको अर्पण(२), क्या लागे मेरा
ॐ जय जगदीश हरे

श्लोक

त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव,
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम

कर्पूर गौरं करुना अवतारं संसार सारं भुज गेंद्र हारं,
सदा वसंतम हिर्द्यारविन्दे भवं भवानी सहितं नमामि.

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके,शरण्ये त्र्म्भके गौरी नारायणि नमोस्तुते
मंगलम भगवान विष्णु मंगलम गरुढ़ ध्वज ,मंगल पूंडरी काक्ष्य मंगलाय तनो हरी.

फुल्लां दी आइए बहार, जी वधाई होवे (२)।
पहली वधाई राजा दशरथ नूँ होवे (२)।
जिन्ना घर जन्में राजा राम जी वधाई होवे।
फिर वधाई सबदे गुरुवां नूँ होवे।
जिन्ना मिलाया प्रभु दे नाल जी वधाई होवे।
फेर वधाई _____ परिवार नूँ होवे।
जिन्ना कराया ए पाठ जी वधाई होवे।
सुखी वसे ए परिवार जी वधाई होवे।
सुखी वसे सब संसार जी वधाई होवे।
फिर वधाई सारी संगत नूँ होवे।
जिन्ना ने गाया मंगला चार जी वधाई होवे।
देवी ते देव ते फुल बरसाँव दे।
हो रही ए जय जय कार जी वधाई होवे।

कभी दुर्गा बनके, कभी लक्ष्मी बनके, चली आना मैया जी चली आना।। 2

तुम लक्ष्मी रूप में आना।। २
विष्णू साथ ले के, वैभव हाथ ले के, चली आना मैया जी चली आना
कभी दुर्गा बनके, कभी लक्ष्मी बनके, चली आना मैया जी चली आना।। 2

तुम सरस्वती रूप में आना।। 2
बुद्धि साथ ले के, वीणा हाथ ले के, चली आना मैया जी चली आना
कभी दुर्गा बनके, कभी लक्ष्मी बनके, चली आना मैया जी चली आना।। 2

तुम गौरा रूप में आना।। २
गणेश गोद ले के, शिव जी साथ ले के, चली आना मैया जी चली आना
कभी दुर्गा बनके, कभी लक्ष्मी बनके, चली आना मैया जी चली आना।। 2

तुम दुर्गा रूप में आना।। 2
शक्ति साथ ले के, चक्र हाथ ले के, चली आना मैया जी चली आना
कभी दुर्गा बनके, कभी लक्ष्मी बनके, चली आना मैया जी चली आना।। 2

साँची जोतों वाली माता तेरी जय जय कार, जय जय कार, जय जय कार (२)
तूने मुझे बुलाया शेराँ वालिये, मैं आया मैं आया शेराँ वालिये (२)
ओ जोताँ वालिये पहाड़ां वालिये, ओ मेहराँ वालिये (२)
तूने मुझे बुलाया शेराँ वालिये, मैं आया मैं आया शेराँ वालिये (२)
सारा जग है एक बंजारा (२), सबकी मंज़िल तेरा द्वारा (२)
ऊंचे पर्वत लम्बा रसता (२), पर मैं रहना पाया शेराँ वालिये (२)
तूने मुझे बुलाया शेराँ वालिये, मैं आया मैं आया शेराँ वालिये (२)
सूने मन में जल गइ बाती, तेरे पथ में मिल गये साथी (२)
मुँह खोलूँ क्या तुझसे माँगू (२), बिन माँगे सब पाया शेराँ वालिये (२)
तूने मुझे बुलाया शेराँ वालिये, मैं आया मैं आया शेराँ वालिये (२)
कौन है राजा कौन भिखारी (२), एक बराबर तेरे सारे पुजारी (२)
तूने सबको दर्शन देके (२), अपने गले लगाया शेराँ वालिये (२)
तूने मुझे बुलाया शेराँ वालिये, मैं आया मैं आया शेराँ वालिये (२)
ओ जोताँ वालिये पहाड़ां वालिये, ओ मेहराँ वालिये (२)
तूने मुझे बुलाया शेराँ वालिये, मैं आया मैं आया शेराँ वालिये (२)
ओ प्रेम से बोलो जै माता दी, ओ सारे बोलो जै माता दी
ओ आते बोलो जै माता दी, ओ जाते बोलो जय माता दी
ओ कष्ट निवारे जै माता दी, ओ पार उतारे जै माता दी
ऐसी माँ भोली जै माता दी, भर दे झोली जै माता दी
ओ तेरे दर पर जै माता दी, माँ देगी दर्शन जय माता दी
जय माता दी, जय माता दी
जय माता दी, पहाड़ां वाली की जै
वैष्णों रानी की जै अम्बे रानी की जै
जै पहाड़ां वाली की जय

नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
तेरा पुजारी मैया तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
हाथों में लेकर गंगाजल गागर (४)
श्रद्धा से स्नान करा गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
लाल लाल चोला किनारी गोटे वाला (४)
लाल लाल चुनरी ओढ़ा गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
चांदी की कटोरी में केसर घोल के (४)
माथे पे तिलक लगा गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
चम्पा चमेली गुलाब जूही गेंदा (४)
पुष्पों की माला पहना गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
लौंग सुपारी ध्वजा नारियल (४)
भेंट तुम्हारी लेके आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
चरण कमल में शीश नवाया (४)
मन की मुरादें सब पा गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)
तेरा पुजारी मैया तेरा पुजारी (२)
नंगे नंगे पावं चल आ गया री माँ एक तेरा पुजारी (२)

कैलाश पति संग लेके सती, मेरी नैया पार लगा जाना (२)
इतनी विनती है भ्रम जती, गलती को मति तुम चित लाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती, मेरी नैया पार लगा जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती
तुम ही हो पिता तुम्हीं माता, मैं याचक हूँ तुम हो दाता (२)
सेवक स्वामी का यह नाता मेरे दाता आज निभा जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती, मेरी नैया पार लगा जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती
अँखियाँ तेरे दर्शन की प्यासी, तुम दया करो हे कैलाशी (२)
हे भंडारी घट घट वासी,अँखियों की प्यास बुझा जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती, मेरी नैया पार लगा जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती
हे जगत नाथ हे रामेश्वर, हे अमरनाथ,हे कालेश्वर (२)
मन कामेश्वर है गंगेश्वर, मन मंदिर बीच समां जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती, मेरी नैया पार लगा जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती
तेरी एक नज़र जो हो जाये,कंकर भी मोती बन जाये (२)
भव से यह दास भी तर जाये बस एक झलक दिखला जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती, मेरी नैया पार लगा जाना (२)
कैलाश पति संग लेके सती

लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)

मैं जब जब तुझको देखूं तेरी जटा में गंगा साजे,तेरी जटा में गंगा साजे मुझे बड़ी प्यारी लागे (२)
कमंडल पीतल का, बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
मैं जब जब तुझको देखूं, तेरे माथे पे चन्द्र विराजे,तेरे माथे पे चन्द्र विराजे, मुझे बड़ा प्यारा लागे (२)
बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का, बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
मैं जब जब तुझको देखूं, तेरे गले में सर्प विराजे तेरे गले में सर्प विराजे, मुझे बड़ा प्यारा लागे (२)
बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
मैं जब जब तुझको देखूं तेरे कानों में कुंडल साजे (२)
तेरे कानों में कुंडल साजे, मुझे बड़ा प्यारा लागे बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
मैं जब जब तुझको देखूं तेरे तन पे मृगशाल साजे, तेरे तन पे मृगशाल साजे, मुझे बड़ा प्यारा लागे (२)
बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
मैं जब जब तुझको देखूं तेरे साथ में गौरा विराजे तेरे साथ में गौरा विराजे, मुझे बड़ा प्यारा लागे (२)
बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
मैं जब जब तुझको देखूं, तेरी गोदी में गणपति विराजे (२)
तेरी गोदी में गणपति विराजे मुझे बड़ा प्यारा लागे बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
मैं जब जब तुझको देखूं तेरे चरणों में नंदी विराजे (२)
तेरे चरणों में नंदी विराजे मुझे बड़ा प्यारा लागे बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)
लोहे का त्रिशूल कमंडल पीतल का बड़ा प्यारा नाम है भोले शंकर का (२)

जय जय जय हनुमान जी राम राम

सोने के सिंगासन पर बेठे मेरे राम जी, चरणों में बेठे हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम

केसर तिलक लगये मेरे राम जी, लाल सिंदूर हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम,

कोशालिया नंदन कहाए मेरे राम जी, अनजनी के लाल हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम

सारी रामायण में है मेरे राम जी, सुंदरकांड हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम

मुक्ति के दाता है देखो मेरे राम जी, भगती के दाता हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम

पिला पीताबर पहने मेरे राम जी, लाल लंगोट हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम

फल और मेवा खाए मेरे राम जी, लादूवन का भोग हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम

सरे जगत के मालिक मेरे राम जी, हमारे तो मालिक हनुमान जी राम राम,
जय जय जय हनुमान जी राम राम

वीर हनुमाना अति बलवाना राम नाम रसियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
जो कोई आवै अर्ज लगावै (२), शीश नवावैं ज्योत जगावैं (२)
सबकी सुनियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
वीर हनुमाना अति बलवाना राम नाम रसियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
बजरंग बाला दीन दयाला (२) नित नित फेरूँ तेरे नाम की माला (२)
संकट हरियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
वीर हनुमाना अति बलवाना राम नाम रसियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
ना कोई संगी हाथ की तंगी (२), लेलो खबर मेरे बजरंगी (२)
जल्दी करियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
वीर हनुमाना अति बलवाना राम नाम रसियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
अरजी हमारी मरजी तुम्हारी (२), सब भक्तं के पालन हारी (२)
किरपा करियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)
वीर हनुमाना अति बलवाना राम नाम रसियो रे प्रभु मन बसियो रे (२)

मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा
मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा

जब मैया का मुखड़ा देखा, जब मैया का मुखड़ा देखा
बिसर गयी मैं जग सारा मेरा जीवन सहारा
बिसर गयी मैं जग सारा मेरा जीवन सहारा
मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा

जब मैया के हाथ निहारू, जब मैया के हाथ निहारू
आशीर्वाद मिला प्यारा मेरा जीवन सहारा
आशीर्वाद मिला प्यारा मेरा जीवन सहारा
मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा

जब मैया की ज्योत जगाऊ जब मैया की ज्योत जगाऊ
जगमग हुआ चमन सारा मेरा जीवन सहारा
जगमग हुआ चमन सारा मेरा जीवन सहारा
मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा

जब मैया के चरण पखरू, जब मैया के चरण पखरू
धूलक गयी अशुअन धारा मेरा जीवन सहारा
धूलक गयी अशुअन धारा मेरा जीवन सहारा
मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा

जब मैया को भोग लगायो, जब मैया को भोग लगायो
बरस गयी अमृत धारा मेरा जीवन सहारा
बरस गयी अमृत धारा मेरा जीवन सहारा
मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा

जबसे इनकी शरण मे आई, जबसे इनकी शरण मे आई
बदल गयी जीवन धारा मेरा जीवन सहारा
बदल गयी जीवन धारा मेरा जीवन सहारा
मैया जी का नाम बड़ा प्यारा मेरा जीवन सहारा

जय माता दी

मुझे तेरा ही सहारा , शेरा वाली माँ , हो .....
शेरा वाली माँ , मेरी महरा वाली माँ
मुझे तेरा ही सहारा , शेरा वाली माँ

जनम - जनम का हूँ मैं पापी , धरम करम ना जानू
ज्योति तेरी अमर है जग में , इतना ही पहचानू
तेरा सब ऊँचा द्वारा , शेरा वाली माँ हो .....
शेरा वाली माँ , शेरा वाली माँ
मुझे तेरा ही सहारा .....
मेरे अवगुण माफ़ करो , में हूँ अवगुन हारा
चरण कमल का देखूं आसरा , सेवक बन तिहारा
तुझे दिल ने पुकारा , शेरा वाली माँ हो .....
शेरा वाली माँ , मेरी महरा वाली माँ
मुझे तेरा ही सहारा
माँ बेटे का अमर है नाता , जाने दुनिया सारी
तू ममता की मूरत है , मन में छवि तुम्हारी
तूने पापियों को तारा , शेरा वाली माँ हो .....
शेरा वाली माँ , मेरी मेहरा वाली माँ
मुझे तेरा ही सहारा

प्रेम के बंधन में मोहन बंध गए
प्रेमियों ने जो बनाया बन गए
प्रेम के बंधन में मोहन बंध गए

जान मीरा की ना राणा ले सका
ज़हर भेजे थे सो अमृत बन गए
प्रेमियों ने जो बनाया बन गए
प्रेम के बंधन में मोहन बंध गए

भात नरसी भक्त का तुमने भरा
वृंदावन के सेठ श्यामल बन गए
प्रेमियों ने जो बनाया बन गए
प्रेम के बंधन में मोहन बंध गए

भाव तुलसीदास का पूरा किया
छोड़ मुरली धनुषधारी बन गए
प्रेमियों ने जो बनाया बन गए
प्रेम के बंधन में मोहन बंध गए

प्रेम से परिपूर्ण जिसने दिल दिया
बिक गए बिन दाम चाकर बन गए
प्रेमियों ने जो बनाया बन गए
प्रेम के बंधन में मोहन बंध गए

कई जन्मो से बुला रही हूँ, कोई तो रिश्ता जरूर होगा

कई जन्मो से बुला रही हूँ, कोई तो रिश्ता जरूर होगा

नज़रो से नज़रे मिला न पायी, मेरी नज़र का कसूर होगा

नज़रो से नज़रे मिला न पायी, मेरी नज़र का कसूर होगा

कई जन्मो से बुला रही हूँ, कोई तो रिश्ता जरूर होगा

तुम्ही तो मेरे मात पिता हो, तुम्ही तो मेरे बंधू सखा हो

कितने ही नाते तुम संग जोड़े, कोई तो नाता जरूर होगा

कई जन्मो से बुला रही हूँ, कोई तो रिश्ता जरूर होगा

कभी बुलाते हो वृन्दाबन में, कभी बुलाते हो मधुबन में

अपने तुम घर में रोज बुलाते, मेरे घर भी आना जरूर होगा

कई जन्मो से बुला रही हूँ, कोई तो रिश्ता जरूर होगा

तुम्ही तो मेरी आत्मा हो, तुम्ही तो मेरे परमात्मा हो

मुझी में रह कर मुझी से पर्दा, पर्दा हटाना ज़रूर होगा

कई जन्मो से बुला रही हूँ, कोई तो रिश्ता जरूर होगा

आँखों में बस गयी तस्वीर तेरी, दिल मेरा हो गया जागीर तेरी

दासी की विनती तुम्हारे आगे, दरश दिखाना जरूर होगा

कई जन्मो से बुला रही हूँ, कोई तो रिश्ता जरूर होगा

गौरा को ब्याहने आइ गयो रे मेरो भोलाभंडारी
भोलाभंडारी, मेरो भोलाभंडारी।।
नंदी पै चढ़ के आइ गयो रे मेरो भोलाभंडारी।।

हंस पै चढ़ ब्रह्मा जी आये
गरुड़ चढ़े विष्णु जी आये
कृष्ण जी बंशी बजाय गए रे , मेरो भोलाभंडारी
गौरा को ब्याहने आइ गयो रे मेरो भोलाभंडारी।।

नौ करोड़ जोगिनिआँ आई
शक्ति पीठों से देवीयां आईं
शेर पै दुर्गा आइ गयीं रे मेरो भोलाभंडारी।
गौरा को ब्याहने आइ गयो रे मेरो भोलाभंडारी।।

मंगल शनि सूरज चंदा भी आये।
अपनी अपनी देवियों को लाये।।
भूत और प्रेत नचाइ गयो रे , मेरो भोलाभंडारी।
गौरा को ब्याहने आइ गयो रे मेरो भोलाभंडारी।।

हाथी शेर गरजते आये।
शिव शंकर के मन को भाये।।
सब को मस्त बनाय गयो रे, मेरो भोलाभंडारी।
गौरा को ब्याहने आइ गयो रे मेरो भोलाभंडारी।।

चली भोले की बरतिया हिमाचल नगरी।। 2
हिमाचल नगरी हो हिमाचल नगरी।। 2
चली भोले की बरतिया हिमाचल नगरी।। 2

नंदी पर हैं शिवजी बैठे , गल मुंडों की माला।। 2
अंग अंग पै भसम रमाई, गले में बिच्छु माला।। 2.
ओढ़े काली सी कमरिया हिमाचल नगरी।। 2
हिमाचल नगरी हो हिमाचल नगरी।। 2
चली भोले की बरतिया हिमाचल नगरी।। 2

जोगी का हैं रूप बनाये, अद्भुत उनका सिंगार।। 2
हाथ मैं उनके त्रिशूल साजे गल सर्पों का हार।। 2
बजे डमरु की डम डमया हिमाचल नगरी।।
हिमाचल नगरी हो हिमाचल नगरी।। 2
चली भोले की बरतिया हिमाचल नगरी।। 2

कोई बराती कद का छोटा, कोई लम्बा कोई मोटा।। 2
किसी के तन में चार भुजाएँ किसी का पेट है मोटा।। 2
टेढ़ी मेढ़ी है कमरिया, हिमाचल नगरी।।
हिमाचल नगरी हो हिमाचल नगरी।। 2
चली भोले की बरतिया हिमाचल नगरी।। 2

भूत प्रेत बैताल जोगिनी नाच रहे हैं छम छम। 2
देव विमानों में बैठे बोल रहे हैं बम बम। 2
मानो लागी है बजरिया , हिमाचल नगरी।। 2
हिमाचल नगरी हो हिमाचल नगरी।। 2
चली भोले की बरतिया हिमाचल नगरी।। 2

आज बृज में होली रे रसिया।
होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया॥
अपने अपने घर से निकसी, कोई श्यामल कोई गोरी रे रसिया।
आज बृज में होली रे रसिया।

कौन गावं के कुंवर कन्हिया, कौन गावं राधा गोरी रे रसिया।
नन्द गावं के कुंवर कन्हिया, बरसाने की राधा गोरी रे रसिया।
आज बृज में होली रे रसिया....

कौन वरण के कुंवर कन्हिया, कौन वरण राधा गोरी रे रसिया।
श्याम वरण के कुंवर कन्हिया प्यारे, गौर वरण राधा गोरी रे रसिया।
आज बृज में होली रे रसिया....

कौन के हाथ कनक पिचकारी, कौन के हाथ कमोरी रे रसिया।
कृष्ण के हाथ कनक पिचकारी, राधा के हाथ कमोरी रे रसिया।
आज बृज में होली रे रसिया....

इत ते आए कुंवर कन्हिया, उत ते राधा गोरी रे रसिया।
उडत गुलाल लाल भए बादल, मारत भर भर झोरी रे रसिया।
आज बृज में होली रे रसिया....

अबीर गुलाल के बादल छाए, धूम मचाई रे सब मिल सखिया।
चन्द्र सखी भज बाल कृष्ण छवि, चिर जीवो यह जोड़ी रे रसिया।

आज बृज में होली रे रसिया।
होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया॥

होली खेलें रघुबीरा

होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा
होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा

काहे के हाथ सजत पिचकारी, काहे के हाथ अबीरा
अवध में होली खेलें रघुबीरा,
होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा,

राम जी के हाथ सजत पिचकारी, सिया के हाथ अबीरा
अवध में होली खेलें रघुबीरा,
होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा,

काहे के हाथ मृदंग झाँझर है, काहे के हाथ मंजीरा
अवध में होली खेलें रघुबीरा,
होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा,

राम जी के हाथ मृदंग झाँझर है, सिया के हाथ मंजीरा
अवध में होली खेलें रघुबीरा,
होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा,

कोने के भीगे सतरंग पगड़ी, कोने के भीगे चीरा
अवध में होली खेलें रघुबीरा,
होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा,

राम जी के भीगे सतरंग पगड़ी, सिया के भीगे चीरा
अवध में होली खेलें रघुबीरा,
होली खेलें रघुबीरा, अवध में होली खेलें रघुबीरा,

तेरे भरोसे मेरी गाड़ी, तू जाने तेरा काम जाने

दीनबंधु दीनानाथ, मेरी डोरी तेरे हाथ

तू ही मेरा माँझी, तू जाने तेरा काम जाने

जब से तेरी शरण में आया, एक अनोखा आनंद पाया

चिंता मिट गयी सारी, तू जाने तेरा काम जाने

मंज़िल तक पहुँचा ही दोगे, भव से पार लगा ही दोगे

मौज से करेंगे़ सवारी, तू जाने तेरा काम जाने

छोड़ दिया सब भर तुम्ही पर, जीत तुम्हीं पर हार तुम्हीं पर

भक्ति करेंगे़ तुम्हारी, तू जाने तेरा काम जाने

एक भरोसा एक सहारा, चरणो में अपने देना बसेरा

रखना लाज हमारी, तू जाने तेरा काम जाने

तेरे दर पे आ खड़े है, क्यू सबकी परवाह करे हम

तू ही मेरा मांझी, तू जाने तेरा काम जाने

बांके बिहारी मुझको देना सहारा

बांके बिहारी मुझे देना सहारा,
कही छुट जाए ना दामन तुम्हारा ॥

तेरे सिवा दिल मैं समाए ना कोई,
लगन का यह दीपक भुजाये ना कोई,
तू ही मेरी कस्ती तू ही है किनारा,
कही छुट जाए ना दामन तुम्हारा ,

तेरे नाम का गान गाता रहू मैं,
शुबह शाम तुज्को रिजता रहू मैं,
तेरा नाम मुजको है प्राणों से प्यारा,
कही छुट जाए ना दामन तुम्हारा ,

तेरे रस्ते से हटाती है दुनिया,
इशारो से मुजको भूलती है दुनिया,
देखो ना हरगिज मैं दुनिया का इशारा
कही छुट जाए ना दामन तुम्हारा ,

बड़ी भूल की जो मैं दुनिया मैं आया,
मूल भी खोया और बेअज भी खोया
दुनिया मैं मुजको ना बेहजना ना दोबरा
कही छुट जाए ना दामन तुम्हारा ,

बांके बिहारी मुझे देना सहारा,
कही छुट जाए ना दामन तुम्हारा ॥

मीठे रस से भरी रे राधा रानी लागे

मीठे रस से भरी रे, राधा रानी लागे,
मने कारो कारो जमुनाजी रो पानी लागे |

यमुना मैया कारी कारी राधा गोरी गोरी |
वृन्दावन में धूम मचावे बरसाना री छोरी |
व्रज्धाम राधाजू की रजधानी लागे ||

कान्हा नित मुरली मे टेरे सुमरे बरम बार |
कोटिन रूप धरे मनमोहन, तऊ ना पावे पार |
रूप रंग की छबीली पटरानी लागे ||

ना भावे मने माखन-मिसरी, अब ना कोई मिठाई |
मारी जीबड़या ने भावे अब तो राधा नाम मलाई |
वृषभानु की लाली तो गुड़धानी लागे ||

राधा राधा नाम रटत है जो नर आठों याम |
तिनकी बाधा दूर करत है राधा राधा नाम |
राधा नाम मे सफल जिंदगानी लागे ||

राधे राधे राधे राधे राधे गोविंदा,
बृंदावन चंदा,
अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.

नन्द कुमारा नवनित छोरा राधे गोविंदा,
बृंदावन चंदा,
अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.
राधे राधे राधे राधे राधे गोविंदा, बृंदावन चंदा, अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.

पुराना पुरुश पुण्य श्लोक राधे गोविंदा,
बृंदावन चंदा,
अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.
राधे राधे राधे राधे राधे गोविंदा, बृंदावन चंदा, अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.

पंदरिनाथा पांडुरंगा राधे गोविंदा,
बृंदावन चंदा,
अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.
राधे राधे राधे राधे राधे गोविंदा, बृंदावन चंदा, अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.

जय जय विट्ठल जय हरी विट्ठल राधे गोविंदा,
बृंदावन चंदा,
अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा, बृंदावन चंदा, अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.

राधे राधे राधे राधे राधे गोविंदा,
बृंदावन चंदा,
अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा, बृंदावन चंदा, अनाथनाथा दीनबंधु राधे गोविंदा.